-SUMMARY-

परियोजना का नाम – देशी बीजों का संरक्षण एवं संवर्धन

कार्यकारी संस्था – जैवविविधता प्रबंधन समिति, बीजापुरी नम्बर 1, जनपद पंचायत पुष्पराजगढ, जिला–अनूपपुर **(म.प्र.)**

परियोजना का उद्देश्य–

1. पारंपरिक देशी बीजों का संरक्षण एवं संवर्धन

परियोजना सारांश –

विगत दशकों में कृषि पद्धतियों में बदलाव एवं आधुनिक तथा अधिक पैदावार वाली किस्मों के आने से कृषि की परम्पारागत किस्में विलुप्त होती जा रही हैं। कृषि प्रजातियों की देशी किस्मों के बीजों के संरक्षण एवं संवर्धन के उददेश्य से बोर्ड द्वारा जैवविविधता प्रबंधन समिति, बीजापुरी को लघु परियोजना स्वीकृत की गई।

परियोजना अंतर्गत समिति द्वारा कृषि प्रजातियों की परम्पारागत बीजों को एकत्रित कर संवर्धन किया गया एवं सामुदायिक बीज बैंक की स्थापना की गई। समिति द्वारा संरक्षित देशी किस्मों में धान की स्थानीय किस्में जैसे–आमाघौद, भरही, नागकेसर, राम्हेगाली, मक्का की स्थानीय किस्म –लाली मक्का, मोटे अनाज जैसे–भूरसा कांगिनी, बिरनी कुटकी, लाल मंडिया आदि सम्मिलित है। समिति द्वारा धान की – 28, कोदो की 03, कुटकी की 04, मक्का की 02, अरहर की 04, गेंह की 03, चना की 02, मटर की 03, उड़द/मूंग की 02, व देशी सब्जियों के बीजों का संरक्षण किया गया है। इन बीजों को खेत में उगाकर नये बीज तैयार कर किसानों को वितरित किया गया।

परियोजना स्थल के छायाचित्र